मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों द्वारा सृजित कविताएँ..

माह फरवरी 2022..

मासिक संकलन

बाल सृजन संसार

मिशन शिक्षण संवाद

संकलन...

काव्यजंलि टीम- मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

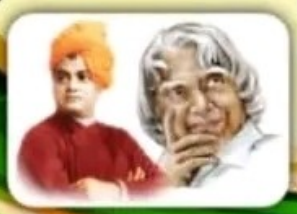

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 01.02.2022 | 27 | दिन- मंगलवार

पानी बिन सब सून

गर्मी का जब मौसम आता,
नदी, तालाब सब है सुखाता।
हैण्डपम्प से पानी न आता,
हाल बुरा सबका कर जाता।।

पानी की समस्या है आयी,
ताई दूर से पानी भर लायी।
समस्या ये गम्भीर है समझो,
संकट में धरती है आयी।।

नदी-तालाबों को रखें साफ,
मरम्मत हैण्डपम्प की कर लें।
बारिश के पानी को बचाएँ,
संचय पानी का हम कर लें।।

खर्चा पानी का कम है करना,
पानी जरूरी ये है समझना।
पानी बिन ये जग है सूना,
पानी बिन जीवन है सपना।।

रचना -
निधि (छात्रा, कक्षा-5)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 02/02/2022

28

दिन- बुधवार

26 जनवरी का दिन है आया

26 जनवरी का दिन हैं आया,
मन में नयी उमंगे लाया हैं।
देश की रक्षा में वीरों ने,
अपना खून बहाया हैं।।

ये भारत देश हमारा हैं,
हमको जान से प्यारा हैं।
सबकी आँखों का तारा हैं,
ये भारत देश हमारा हैं।।

तिरंगे को फहराकर हम,
गीत खुशी के गाते हैं।
नील गगन लहराये तिरंगा,
वन्दे मातरम् गाते हैं।।

रचना

नेहा यादव (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

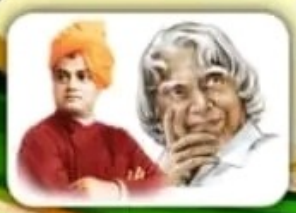

दिनाँक- 03-02-2022

29

दिन- शुक्रवार

क्यों होते हैं दिन-रात...

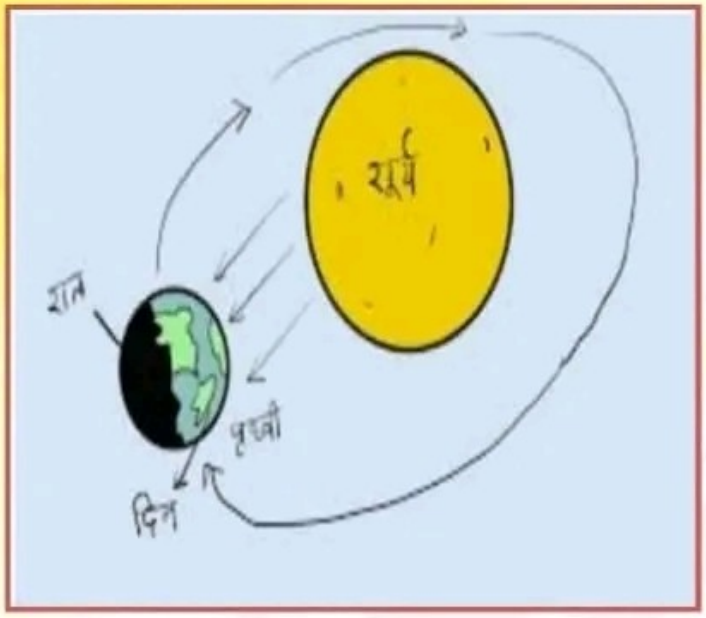

हरी-भरी धरती के कारण,
है सुन्दर संसार।
घूम रही है युगों-युगों से,
ले हम सबका भार।।

सोचो, बच्चों! फिर बताओ,
कैसे होते हैं दिन-रात?
कभी सूर्य के दर्शन,
तो कभी चाँद से बात।।

धरा की दैनिक गति के कारण,
होता रोज सबेरा।
दिन डूबने के बाद डालती,
रात भी अपना डेरा।।

रचना-
स्वाती केसरवानी (पूर्व छात्रा)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

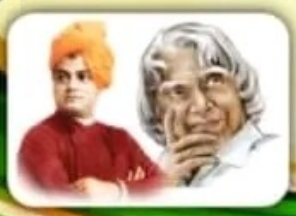

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-04-02-2022

30

दिन- शुक्रवार

ज्ञान के दीप जला दो माँ

कृपा की धारा बरसा दो माँ!
ज्ञान के दीप जला दो माँ!

कर रही है माँ पुत्री पूजन,
भरो सभी में नव रस गुंजन।
हृदय की कली खिला दो माँ,
ज्ञान के दीप जला दो माँ!

श्वेत वस्त्र तुम धारण करतीं,
सबके मन में ज्ञान तुम धरतीं।
ज्योति कलश छलका दो माँ!
ज्ञान के दीप जला दो माँ।

ना माँगू मैं हीरे-मोती,
चाहूँ बस शिक्षा की ज्योति।
वाणी सफल बना दो माँ!
ज्ञान के दीप जला दो माँ!

रचना

कु० शिवानी
कक्षा - 8
KGBV नगर क्षेत्र
जनपद- कासगंज

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 05-02-2022

31

दिन- शनिवार

राष्ट्रीय प्रतीक

मोर सबसे प्यारा होता,
हमारा राष्ट्रीय पक्षी होता।
बारिश में वह नाच दिखाता,
सुन्दर अपने पंख फैलाता।।

कमल सबसे सुन्दर होता,
हमारा राष्ट्रीय पुष्प होता।
बाघ वीरता को दिखलाता,
हमारा राष्ट्रीय पशु कहलाता।।

तीन रंगों से है रंगा,
हमारा राष्ट्रीय ध्वज है तिरंगा।
राष्ट्रीय पर्वो पर इसे फहराते,
सारे बच्चे खुशी मनाते।।

रचना
प्रकृति वशिष्ठ (कक्षा-5)
के० वी० पी०एस०
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- सोमवार

32

दिन- 07/02/2022

खुशियाँ दे जाते हैं

खुशियाँ दे जाते हैं,
खुशियाँ ले पाते हैं।
वर्ष में एक बार हम,
गणतंत्र दिवस मनाते हैं।।

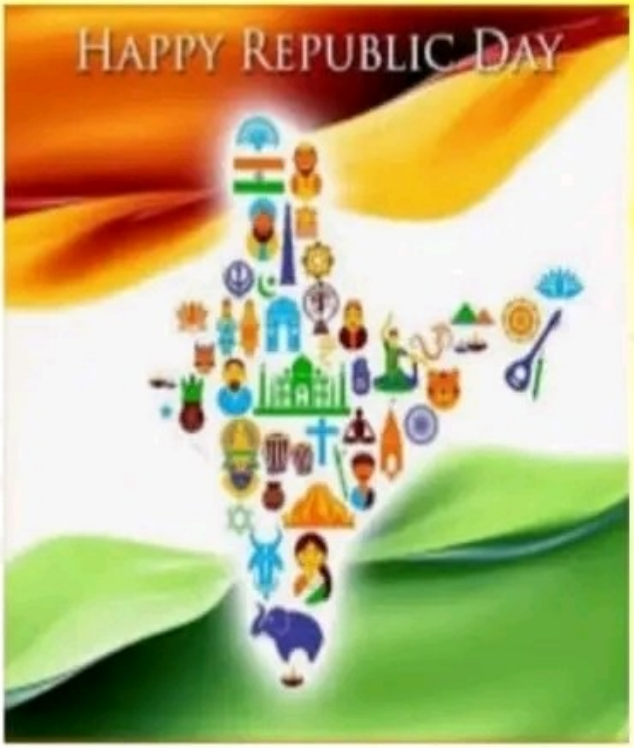

आओ हम सब मिलकर,
इस दिन को मनाएँ।
26 जनवरी को हम,
झंडे को लहराएँ।।

इस झंडे को दें सलामी,
अपने देश का मान बढ़ाएँ।
आओ इस दिन को,
हँसी-खुशी मनाएँ।।

रचना
अभिनव सिंह (कक्षा-6)
जे० एस० पब्लिक स्कूल
साधोगंज, खरावन, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 08-01-2022

33

दिन- मंगलवार

जल..

जल जीवन का है आधार,
इसके बिन सब काम बेकार।
शरीर में है जिन तत्वों का सम्बल,
उसका सत्तर प्रतिशत है जल।।

भौतिक और रासायनिक तत्व,
करते जल दूषित यह सत्य।
दूषित जल हमें करे बीमार,
हैजा, पीलिया, अतिसार, बुखार।।

जल से ही हमारे प्राण,
इसे बचाना हमारा काम।
बिन पानी न जी पाएंगे,
प्राण पखेरू उड़ जाएंगे।।

रचना-
स्वाती केसरवानी (पूर्व छात्रा)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 09-02-2022

34

दिन- बुधवार

प्यारी माँ

सुन ओ मेरी प्यारी माँ,
सारे जग से न्यारी माँ।
मेरी माँ प्यारी माँ,
सुन लो मेरी वाणी माँ।।

तुमने मुझको जन्म दिया,
मुझ पर उपकार किया।
धन्य हुई मैं प्यारी माँ,
जो इतना प्यार किया।।

अच्छे बुरे में फर्क बताया,
तुमने अपना कर्तव्य निभाया।
बनूँगी मैं अच्छी बेटी माँ,
करूँगी तेरा सम्मान भी माँ।।

रचना
उर्वशी (कक्षा-5)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक 10-02-2022

35

दिन- गुरुवार

बच्चे और विद्यालय

मेरा विद्यालय सबसे प्यारा,
लगता है मुझे जग में न्यारा।
प्रतिदिन हम विद्यालय जाते,
ज्ञान रोज हम वहाँ से पाते।।

दीदी जी हमें रोज पढ़ाती,
नयी-नयी चीजें हमें बताती।
योग और व्यायाम कराती,
परोपकार के सबक सिखाती।।

हम सब सीखें मन लगाकर,
प्रार्थना करते ध्यान लगाकर।
विद्यालय की शान हैं बच्चे,
गुरुओं का अभिमान हैं बच्चे।।

रचना
खुशी (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

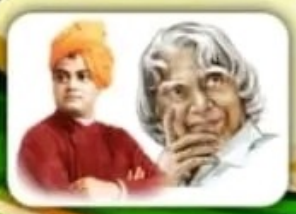

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-11.02.2022

36

दिन- शुक्रवार

पेड़ों की छाया.....

हरे-भरे पेड़ों की छाया,
इनमें है संसार समाया।
फल, भोजन, ईंधन, फर्नीचर,
मानव ने सब इनसे बनाया।।

धरती को देते हरियाली,
ऑक्सीजन भी मिले निराली।
सजा दिया संसार सलोना,
मेहनत करता बाग में माली।।

रचना

नेहा यादव (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

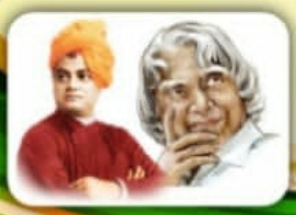

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 12-02-2022

37

दिन- शनिवार

रमईया की हरी-भरी दुनिया

कुछ लोग हमको सनकी कहते,
तो कुछ लोग पागल कहते।
मुझे कोई न फर्क पड़ता,
सुबह-सुबह घर से पौधा लेकर निकल पड़ता।।

गीत-गाते साइकिल पर निकल पड़ता।
सबको कहता,
धरती का अब करो श्रृंगार,
पेड़ लगाओ, सब दो-चार।।

जन्मदिन हो तो सबको,
पौधा भेंट कर जाता।
किसी की शादी हो,
तो पौधा दे जाता।।

पेड़ की कीमत,
पैसों से भी बढकर हैं।
इसीलिए कहते हैं,
पौधों से अपना स्कूल सजाओ।।

रचना
कु० मांसी पाण्डेय (कक्षा-5)
प्रा० वि० डेरवाँ खुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 14/02/2022

38

दिन- सोमवार

पेड़

धरती पर हरियाली हो,
जीवन में खुशहाली हो।
पेड़ धरती की शान हैं,
जीवन की मुस्कान हैं।।

पेड़-पौधों को पानी दें,
जीवन को यही निशानी दें।
आओ पेड़ लगायें हम,
ये जीवन महकायें हम।।

रचना-
शिवानी (कक्षा-08)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 15.02.2022

39

दिन- मंगलवार

मेरा आँगन

एक बड़ा सा पेड़ नीम का,
मेरे घर के आँगन में है।
ढेर से तोते और चिरैया,
नीम के पेड़ में रहते हैं।।

एक नन्हीं सी प्यारी गिलहरी,
दिन-भर उछले कूदे है।
ऊपर चढ़ती, नीचे आती,
दाने चुन-चुन खाती है।।

दो छोटे बच्चे बन्दर के,
खूब शैतानी करते हैं।
पूँछ पकड़ कर एक-दूजे की,
पेड़ से लटके रहते हैं।।

मुझको भाता पेड़ नीम का,
ठण्डी हवा मुझे देता है।
थक कर आऊँ स्कूल से जब मैं,
मीठी नींद सुलाता है।।

रचना -

लक्ष्य द्विवेदी (कक्षा 5)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

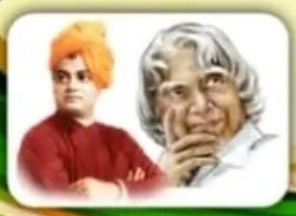

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 16-02-2022

40

दिन- बुधवार

देश को सलाम

सलाम सलाम सलाम,
मेरे देश को है सलाम।
मेरी जान इस पर कुर्बान,
मेरा भारत महान।

मैं इस देश की रहने वाली
भूमिका है मेरा नाम।
करूं मैं इसे सलाम,
मेरा भारत महान।

झुकने ना दू कभी,
अपने देश का सर।
भारत मां का इतिहास,
रहे सदा अमर।

रचना
भूमिका (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 17-02-2022

41

दिन- गुरूवार

वृक्षारोपण ....

देश बनें स्वच्छ हमारा,
लगे जग में सबसे प्यारा।
वृक्ष हमें देते शीतलता,
दूर करें वायु की मलीनता।।

पर्यावरण सुरक्षित हो,
ये निश्चय हम सबका हो।
उपकारी हैं वृक्ष महान,
परोपकार का देते ज्ञान।।

इनको करते रहिए सिंचित,
रहे तभी पर्यावरण सुरक्षित।
वृक्ष हमें देते हैं छाया,
इनसे प्राणवायु है पाया।।

रचना-
सुहानी गौतम (पूर्व छात्रा)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-18-02-2022

42

दिन- शुक्रवार

हम पढ़ेंगे, हम बढ़ेंगे

हम पढ़ेंगे, हम बढ़ेंगे,
देश की सेवा करेंगे।
एक नया इतिहास रचेंगे,
सबका पूर्ण विकास करेंगे।।

बाधायें सारी पार करके,
बैरी दल को दल करके।
हम नहीं रोके रुकेंगे,
हम पढ़ेंगे, हम बढ़ेंगे।।

हाथ में हर हाथ लेकर,
सबकी कुशलता साथ लेकर।
देश की रचना करेंगे,
हम पढ़ेंगे, हम बढ़ेंगे।।

रचना
कु० शिवानी (कक्षा -8)
KGBV KASGANJ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

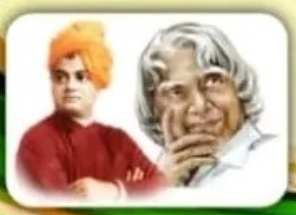

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 19-02-2022

43

दिन- शनिवार

देशभक्ति

जय गान करो उन वीरों का,
जो देश के लिए मर जाते है।
देकर अपनी जिन्दगी,
जो देशभक्त बन जाते है।।

देशभक्ति क्या होती है,
पूछो उन जवानो से।
जो पहनते है वर्दी,
बर्फीले तूफानों में।।

भरा पड़ा है इतिहास हमारा,
वीरों के बलिदानों से।
देशभक्ति क्या होती है
पूछो उन जवानों से।।

रचना
कु० भावना (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- सोमवार

44

दिन- 21/02/2022

हमारा देश

देश हमारा भारत है,
हम सब इसके वासी हैं।
त्योहारों को खूब मनाते,
गंगा-यमुना बहती हैं।।

सुन्दर सबसे देश हमारा,
हम सबको है जान से प्यारा।
साथ में रहते मिल-जुलकर सब,
मिट्टी में फसलें उगती हैं।।

बड़े-बड़े शहरों के बीच में,
गाँव भी देखो सुन्दर हैं।
रोज तरक्की करता भारत,
सारी दुनिया कहती है।।

रचना
अभिनव सिंह (कक्षा-6)
जे० एस० पब्लिक स्कूल
साधोगंज, खरावन, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 22.02.2022

45

दिन- मंगलवार

खुशियों का मौसम

देखो सुहाना मौसम आया,
खेतों में पीला रंग छाया।
झूम उठा है सारा जमाना,
खुशी से कण-कण हर्षाया।।

बसन्त पंचमी है अब आयी,
पेड़ों पर बहार है छायी।
बसन्त ऋतु की यह अनुपम,
अद्भुत छटा सबके मन भायी।।

आने वाला है होली का त्यौहार,
हम सबको है उसका इन्तजार।
मिलजुलकर जब खेलेंगे होली,
मिलेगी सबको खुशी अपार।।

रचना
लक्ष्य कुमार (कक्षा-6)
चौ० केहर सिंह मैमो० स्कूल
बड़ौत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 23/02/2022

46

दिन- बुधवार

मेरा देश.....

हमारा भारत महान है,
तिरंगा देश की शान है।
जब हम बड़े हो जाएँगे,
करके कुछ दिखलाएँगे।।

बड़े-बड़े हम काम करेंगे,
चौकन्ने दिन रात रहेंगे।
सीमा पर तैनात रहेंगे,
दुश्मन से हम नहीं डरेंगे।।

हम इनकी सन्तान हैं,
ये मेरा हिन्दुस्तान है।
देश की खातिर जान भी देंगे,
देश की रक्षा हम करेंगे।।

रचना

जोया नाज (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 24.02.2022

47

दिन- गुरुवार

प्यारे बापू

गाँधी जी सबसे प्यारे थे,
सबकी आँखों के तारे थे।
बच्चों को अति प्यारे थे,
जो कहते वह कर दिखाते थे।।

हम उनको बापू कहते थे,
वे सबके मन को भाते थे।
उनके मजबूत इरादे थे,
डटकर आगे खड़े रहते थे।।

अंग्रेजों से यह टकराते थे,
कभी ना पीछे हटते थे।
सबको देते अच्छा ज्ञान,
वे बापू बड़े महान थे।।

राह सच्चाई की दिखाते थे,
अहिंसा की राह चलना बताते थे।
सादा जीवन जीना सिखाते थे,
इसलिए बापू सब को भाते थे।।

रचना

सुजल मेहरा (कक्षा-7)
रा० उ० प्रा० वि० पिपोला
जाखणीधार, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 25-02-2022

48

दिन- शुक्रवार

फलों का राजा आम

आम फलों का राजा है,
दिखता ताजा ताजा है।
जो भी इसको खाता है,
हो जाता मोटा ताजा है।।

चटनी खाओ या अचार,
होते हैं दोनों मजेदार।
पना,शेक भी इससे बनाते,
पीकर के तन्दुरस्ती पाते।।

खाने में यह बड़ा रसीला,
दिखने में यह हरा व पीला।
आम फलों का राजा है,
आँखों की ज्योति बढ़ाता है।।

रचना
अंशिका (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

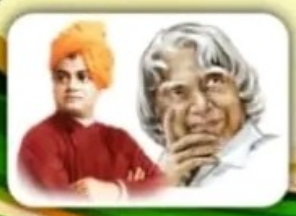

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 26-02-2022

49

दिन- शनिवार

मन करता है

मन करता है टीचर बनकर,
सब बच्चों पर धौंस जमाऊँ।
मन करता है मम्मी बनकर,
मैं भी अपना काम सम्भालूँ।।

मन करता है बच्ची बनकर,
मैं भी एक चॉकलेट खाऊँ।
मन करता है लड़की बनकर,
मैं भी एक कविता सुनाऊँ।।

मन करता है कोयल बनकर ,
मीठी-मीठी कविता सुनाऊँ।
मन करता है पौधा बनकर,
सुन्दर-सुन्दर फूल जमाऊँ।।

मन करता है तितली लेकर,
सब बच्चों को डरा भगाऊँ।
मन करता है बच्ची बनकर,
मीठी-मीठी कविता बनाऊँ।।

रचना
कु० काजल पाल (कक्षा-3)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 28.02.2022

50

दिन- सोमवार

पेड़ की पीड़ा

मैं हूँ पेड़ मुझे मत काटो,
टुकड़ों-टुकड़ों में मत बाँटो।
दर्द मुझे भी होता है,
दिल मेरा भी रोता है।।

मैं हूँ सच्चा मित्र तुम्हारा,
मुझसे ही तुम जीते हो।
जहरीली हवा खुद पी लेता,
शुद्ध हवा सबको मैं देता।।

मुझसे तुम वायदा करो,
पेड़ों पर ना वार करो।
जन्मदिन, विवाह में एक पेड़ लगाओ,
दुनिया को हरा-भरा बनाओ।।

पेड़ों का सम्मान करो,
पेड़ों की तुम रक्षा करो।।

रचना

विनायक अग्रवाल (कक्षा-3)
रा० प्रा० वि० भाणाधार
अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग